



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-27062025-264191
CG-DL-E-27062025-264191

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]
No. 180]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 26, 2025/ आषाढ़ 5, 1947
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 26, 2025/ ASHADHA 5, 1947

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून 2025

मामला सं. एडी (एमटीआर – 03/2025)

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप पर लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के उत्पाद दायरे तक सीमित मध्यावधिक समीक्षा की शुरुआत।

- फा. सं. 7/13/2025-डीजीटीआर – मेसर्स वेदांता लिमिटेड (जिसे इसके बाद 'याचिकाकर्ता' अथवा 'आवेदक' के रूप में भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद 'अधिनियम' के रूप में कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद

'नियमावली' के रूप में कहा गया है) अधिसूचना संख्या 6/13/2021-डीजीटीआर दिनांक 23.09.2022 के अनुसार परिभाषित विचाराधीन उत्पाद के दायरे की जांच करने के लिए सीमित मध्यावधिक समीक्षा जांच की शुरुआत करने के लिए एक आवेदन दायर किया है कि चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित और एचईएसपीएल द्वारा पेटेंट प्राप्त, "सील-लॉक एक्सडी" प्रक्रिया का उपयोग करके निर्मित प्रीमियम थ्रेडिंग (बाजार की भाषा में ओसीटीजी के रूप में जाना जाता है) के साथ कास्टिंग एवं ट्यूबिंग, पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं है।

2. और जबकि दिनांक 23.09.2022 की अधिसूचना सं. 6/13/2021- डीजीटीआर के तहत चीन जन. गण. (इसके बाद इसे 'संबद्ध देश' के रूप में भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "6 एनपीएस तक के व्यास वाले अथवा माप की अन्य इकाई में इसके तुलनीय स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप, चाहे हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके निर्मित किए गए हों और चाहे हॉट फिनिशड अथवा कोल्ड फिनिशड पाइप एवं ट्यूब के रूप में बिक्री किए गए हों, जिनमें डिफेक्टिव, नॉन-प्राइम अथवा सेकेंडरी ग्रेड के रूप में आयातित संबद्ध वस्तुएं शामिल हैं" (इसके बाद इन्हें 'संबद्ध वस्तु' के रूप में भी कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की और केंद्रीय सरकार द्वारा दिनांक 20.12.2022 की अधिसूचना सं. 31/2022- सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

क. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी)

3. मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद को '6 एनपीएस तक के व्यास वाले अथवा माप की अन्य इकाई में इसके तुलनीय स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप, चाहे हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके निर्मित किए गए हों और चाहे हॉट फिनिशड अथवा कोल्ड फिनिशड पाइप एवं ट्यूब के रूप में बिक्री किए गए हों, जिनमें डिफेक्टिव, नॉन-प्राइम अथवा सेकेंडरी ग्रेड के रूप में आयातित संबद्ध वस्तुएं शामिल हैं' के रूप में परिभाषित किया गया था। विचाराधीन उत्पाद को अध्याय 73 के अंतर्गत टैरिफ शीर्ष 7304 के तहत वर्गीकृत किया गया है।
4. याचिकाकर्ता ने उत्पाद के दायरे की जांच करने के लिए सीमित मध्यावधि समीक्षा जांच के लिए आवेदन दायर किया है, जिसमें यह स्पष्टीकरण मांगा गया है कि नीचे दिया गया उत्पाद पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं है:

एचईएसपीएल द्वारा पेटेंट प्राप्त, "सील-लॉक एक्सडी" प्रक्रिया का उपयोग करके निर्मित प्रीमियम थ्रेडिंग (बाजार की भाषा में ओसीटीजी के रूप में जाना जाता है) के साथ कास्टिंग एवं ट्यूबिंग

5. अतः वर्तमान समीक्षा केवल इस बात की जांच करने के सीमित उद्देश्य के लिए है कि क्या उपरोक्त उत्पाद मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं है।

ख. समीक्षा के लिए आधार

6. मध्यावधिक समीक्षा के लिए वर्तमान आवेदन यह स्पष्ट करने के लिए दायर किया गया है कि उपर्युक्त उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन उत्पाद में शामिल नहीं है। आवेदक ने पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की मांग करने के कारणों को दर्शाते हुए एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। दिए गए तर्कों के आधार इस प्रकार हैं:

क. दिनांक 23.09.2022 की अधिसूचना सं. 6/13/2021- डीजीटीआर में प्रदान की गई विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के अवलोकन से, यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि प्रीमियम थ्रेडिंग के साथ कास्टिंग और ट्यूबिंग (बाजार की भाषा में ओसीटीजी के रूप में जाना जाता है) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से

बाहर है क्योंकि यह एक समान वस्तु नहीं है क्योंकि केवल स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप का निर्माण हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आता है जबकि हमारे उत्पाद को एचईएसपीएल द्वारा पेटेंट प्राप्त 'सील-लॉक एक्सडी' प्रक्रिया का उपयोग करके विनिर्मित किया जाता है।

ख. ओसीटीजी और स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप का विनिर्माण हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके तकनीकी और व्यावसायिक रूप से अलग-अलग उत्पाद हैं।

ग. घरेलू उद्योग ओसीटीजी का विनिर्माण नहीं करता है।

घ. ओसीटीजी और स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप का विनिर्माण हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके विनिर्माण प्रक्रिया, अंतिम उपयोग आदि अलग-अलग हैं।

ग. प्रक्रिया

7. आवेदक द्वारा प्रदान की गई सूचना को ध्यान में रखते हुए, जिसमें कि लागू उपाय की समीक्षा की आवश्यकता संबंधी परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी का अब यह मानना है कि दिनांक 23.09.2022 की अधिसूचना सं. 6/13/2021-डीजीटीआर के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों और दिनांक 20.12.2022 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 31/2022- सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा, जो लागू पाटनरोधी उपायों के तहत उत्पाद के दायरे और विनिर्देश तक सीमित है, नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम 1995 की धारा 9(क) के प्रावधान के अनुसार उचित है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक मेसर्स वेदांता लिमिटेड ने मध्यावधिक समीक्षा की आवश्यकता को प्रथम दृष्टया स्थापित करने के लिए पर्याप्त सकारात्मक साक्ष्य प्रदान किए हैं। तदनुसार, प्राधिकारी हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया अथवा हॉट पियर्सिंग प्रक्रिया का उपयोग करके संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब एवं पाइप विनिर्माण पर लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा की शुरुआत करते हैं, जो उक्त पाटनरोधी जांच के उत्पाद दायरे तक सीमित है। समीक्षा में दिनांक 20.12.2022 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 31/2022-सीमा शुल्क (एडीडी) के साथ पठित दिनांक 23.09.2022 की अधिसूचना सं. 6/13/2021- डीजीटीआर के सीमित पहलुओं को शामिल किया गया है,

घ. संबद्ध देश

8. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण. है (जिसे इसके बाद संबद्ध देश के रूप में भी कहा गया है)।

ड. जांच की अवधि (पीओआई)

9. चूंकि याचिका उत्पाद के दायरे पर स्पष्टीकरण के सीमित उद्देश्य के लिए है, अतः प्राधिकारी पाटन और क्षति की मात्रा का मूल्यांकन करने का प्रस्ताव नहीं करते हैं, इसीलिए पीओआई की शर्त की आवश्यकता नहीं है।

च. सूचना की प्रस्तुति

10. निर्दिष्ट प्राधिकारी को सभी पत्राचार ईमेल पते jd12-dgtr@gov.in और ad12-dgtr@gov.in पर भेजे जाने चाहिए, जिसके साथ ही dir15-dgtr@gov.in और consultant-dgtr@nic.in को भी इसकी एक प्रति भेजी जानी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुरोध का वर्णनात्मक भाग सर्व करने योग्य पीडीएफ/एमएस-वर्ड फॉर्मेट में हो और डेटा फ़ाइलें एमएस-एक्सेल फॉर्मेट में हों।
11. संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकार और भारत में विचाराधीन उत्पाद से जुड़े हुए आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को अलग से सूचित किया जा रहा है, ताकि वे इस जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लिखित समय सीमा के भीतर सभी संगत सूचना दाखिल कर सकें। ऐसी समस्त सूचना इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमावली और प्राधिकारी द्वारा जारी लागू व्यापार सूचना द्वारा निर्धारित फॉर्मेट और निर्धारित तरीके से दाखिल की जानी चाहिए।
12. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमावली और प्राधिकारी द्वारा जारी लागू व्यापार सूचना द्वारा निर्धारित फॉर्मेट और निर्धारित तरीके से इस जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लिखित समय सीमा के भीतर वर्तमान जांच से संबंधित अनुरोध कर सकता है।
13. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी भी पक्षकार द्वारा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका एक अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराना आवश्यक है।
14. हितबद्ध पक्षकारों को यह भी निर्देश दिया जाता है कि वे व्यापार उपचार महानिदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट (<https://www.dgtr.gov.in/>) को नियमित रूप से देखते रहें ताकि वे जांच से संबंधित सूचना और आगे की प्रक्रियाओं से अपडेट और अवगत रहें।

छ. समय सीमा

15. निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच के संबंध में कोई भी सूचना निम्नलिखित ईमेल पतों jd12-dgtr@gov.in और ad12-dgtr@gov.in पर ईमेल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए, इसके साथ ही इसकी एक प्रति dir15-dgtr@gov.in और consultant-dgtr@nic.in को उस तिथि से 30 दिनों के भीतर भेजी जानी चाहिए, जिस दिन आवेदक द्वारा दाखिल किए गए दस्तावेजों का अगोपनीय पाठ निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा परिचालित किया जाएगा अथवा नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्यातक देश के उपयुक्त राजनयिक प्रतिनिधि को प्रेषित किया जाएगा। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त हुई सूचना अधूरी है, तो प्राधिकारी रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर और नियमावली के अनुसार अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

16. सभी हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी जाती है कि वे तत्काल मामले में अपने हित (हित की प्रकृति सहित) से अवगत कराएं और इस अधिसूचना में निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने प्रश्नावली के उत्तर दाखिल करें।
17. जहां कोई हितबद्ध पक्षकार अनुरोध दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग करता है, तो उसे पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 6(4) के अनुसार ऐसे समय विस्तार के लिए पर्याप्त कारण का प्रदर्शन करना होगा और ऐसा अनुरोध इस अधिसूचना में निर्धारित समय के भीतर आना चाहिए।

ज. गोपनीय आधार पर सूचना की प्रस्तुति

18. जहां वर्तमान जांच में कोई पक्षकार प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय अनुरोध करता है अथवा गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करता है, तो ऐसे पक्षकार द्वारा नियमावली के नियम 7(2) के अनुसार तथा इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा जारी संगत व्यापार सूचना के अनुसार ऐसी सूचना का एक अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करना आवश्यक है।
19. ऐसे अनुरोधों के प्रत्येक पृष्ठ के शीर्ष पर स्पष्ट रूप से 'गोपनीय' अथवा 'अगोपनीय' के रूप में अंकन किया जाना चाहिए। प्राधिकारी को बिना ऐसे अंकन के प्रस्तुत किया गया कोई भी अनुरोध प्राधिकारी द्वारा 'अगोपनीय' सूचना मानी जाएगी तथा प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोधों का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे।
20. गोपनीय पाठ में ऐसी सभी सूचना शामिल होगी जो गोपनीय प्रकृति की हैं और/ अथवा ऐसी अन्य सूचना शामिल होगी, जिसे ऐसी सूचना का आपूर्तिकर्ता गोपनीय होने का दावा करता है। ऐसी सूचना के लिए जिसके गोपनीय प्रकृति की होने का उल्लेख किया जाता है अथवा ऐसी सूचना जिसके संबंध में अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा किया जाता है, सूचना के आपूर्तिकर्ता को दी गई सूचना के साथ एक उचित कारण का विवरण प्रदान करना आवश्यक है कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।
21. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दाखिल की गई सूचना का अगोपनीय पाठ गोपनीय पाठ की प्रतिकृति होना चाहिए, जिसमें गोपनीय सूचना को अधिमानतः सूचीबद्ध किया जाना अथवा रिक्त स्थान दिया जाना चाहिए (जहां सूचीबद्ध करना संभव नहीं है) और ऐसी सूचना को उचित रूप से और पर्याप्त रूप से संक्षेप में दिया जाना चाहिए, जो उस सूचना पर निर्भर करता है जिसके गोपनीय होने का दावा किया जाता है।
22. गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के सार को उचित रूप से समझने के लिए उसका अगोपनीय सार पर्याप्त रूप से विस्तृत होना चाहिए। तथापि, असाधारण परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाला पक्षकार यह उल्लेख कर सकता है कि ऐसी सूचना सार के लिए अतिसंवेदनशील नहीं है और नियमावली 1995 के नियम 7 के अनुसार पर्याप्त और उचित स्पष्टीकरण युक्त कारणों का विवरण और प्राधिकारी द्वारा जारी उचित व्यापार सूचना, कि ऐसा सार क्यों संभव नहीं है, प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रदान किया जाना चाहिए।

23. गोपनीयता के दावे पर नियम 7 के अनुसार सार्थक अगोपनीय पाठ अथवा पर्याप्त और उचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी भी अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जारी उचित व्यापार सूचना को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा।
24. प्राधिकारी प्रस्तुत की गई सूचना की प्रकृति की जांच करने के बाद गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी को ऐसा लगता है कि गोपनीयता के लिए किया गया अनुरोध उचित नहीं है अथवा यदि सूचना का आपूर्तिकर्ता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में इसके प्रकटीकरण को अधिकृत करने के लिए तैयार नहीं है, तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।
25. प्राधिकारी द्वारा संतुष्ट होने और प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार किए जाने पर, ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी भी पक्षकार को इसका प्रकटन नहीं किया जाएगा।

झ. सार्वजनिक फ़ाइल का निरीक्षण

26. पंजीकृत हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी, जिसके साथ ही उन सभी से अनुरोध किया जाएगा कि वे अपने अनुरोध के अगोपनीय पाठ को अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को ईमेल करें।

ञ. असहयोग

27. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर अथवा प्राधिकारी द्वारा इस जांच शुरुआत अधिसूचना में निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक सूचना तक पहुंच से मना करता है और अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा उत्पन्न करता है, तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और वे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणामों को दर्ज कर सकते हैं तथा केंद्रीय सरकार को यथाउपयुक्त सिफारिशें कर सकते हैं।

सिद्धार्थ महाजन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(Directorate General of Trade Remedies)****INITIATION NOTIFICATION**New Delhi, the 26th June, 2025**Case No. AD (MTR)-03/2025)**

Subject: Initiation of Mid-Term Review limited to the product scope of definitive Anti-Dumping duty imposed on Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes originating in or exported from China PR.

F. No. 7/13/2025-DGTR.— M/s Vedanta Limited (hereinafter also referred to as the ‘Petitioner’ or ‘Applicant’) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the ‘Authority’) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Act’) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Rules’) for initiation of mid-term review investigation limited to examine the scope of product under consideration as defined *vide* Notification No. 6/13/2021-DGTR dated 23.09.2022, to clarify that Casting & Tubing with premium *threading* (known as OCTG in market parlance) manufactured by using “Seal-Lock XD” process patented by HESPL originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as subject country) is not covered within the scope of the PUC.

2. And whereas *vide* Notification No. 6/13/2021-DGTR dated 23.09.2022 recommended imposition of definitive anti-dumping duty on imports of “Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes with diameter up to and including 6 NPS, or comparable thereof in other unit of measurement, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non- prime or secondary grades” (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as subject country) and the definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government *vide* Notification No. 31/2022-customs (ADD) dated 20.12.2022.

A. Product under Consideration (PUC)

3. The product under consideration defined in the original investigation was ‘Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes with diameter up to and including 6 NPS, or comparable thereof in other unit of measurement, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non- prime or secondary grades.’. The product under consideration is classified under Chapter 73 under tariff headings 7304.
4. The Petitioner has filed application for mid-term review investigation limited to examine the product scope seeking clarification that the below product is not covered within the scope of the PUC:

Casting & Tubing with premium threading (known as OCTG in market parlance) manufactured by using "Seal-Lock XD" process patented by HESPL

5. The present review is therefore only for the limited purpose of investigating if the above product is not covered in the scope of the product under consideration in the original investigation.

B. Grounds for Review

6. The present application for mid-term review has been filed requesting to clarify that the above-mentioned product is not covered in the product subject to anti-dumping duty. The applicant has furnished a detailed statement setting out reasons for seeking a review of anti-dumping duties. The grounds pleaded are as follows:

a. From the perusal of the definition of the product under consideration provided in the Notification No. 6/13/2021-DGTR dated 23.09.2022, it is amply clear that Casting & Tubing with premium threading (known as OCTG in market parlance) is outside the scope of PUC as it is not a like article since only Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes manufacture using hot extrusion process or hot piercing process are covered in the scope of PUC while our product is manufactured by using 'SEAL-LOCK XD process patented by HESPL.

b. OCTG and Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes manufacture using hot extrusion process or hot piercing process are technically and commercially different products.

c. Domestic industry does not manufacture OCTG.

d. The manufacturing process, end use etc. are different of OCTG and Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes manufacture using hot extrusion process or hot piercing process.

C. Procedure

7. Having regard to the information provided by the applicant indicating circumstances necessitating a review of the measure in force, the Authority now considers that a mid-term review of the Final Findings notified vide No. 6/13/2021-DGTR dated 23.09.2022 and the definitive anti-dumping duty imposed by Customs Notification No. 31/2022-customs (ADD) dated 20.12.2022 limited to the scope and specification of the product under anti-dumping measures in force is appropriate, in terms of the provision of Section 9(A) of Customs Tariff (Amendment) Act 1995 read with Rule 23 supra. The Authority also notes that the applicant M/s Vedanta Limited has provided sufficient positive evidence to *prima facie* establish the need for mid-term review. Accordingly, the Authority initiates a mid-term review of definitive Anti-Dumping duty imposed on Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes manufacture using hot extrusion process or hot piercing process originating in or exported from the subject country, limited to product scope of the said anti-dumping investigation. The review covers limited aspects of Notification No. 6/13/2021-DGTR dated 23.09.2022 read with Customs Notification No. 31/2022-customs (ADD) dated 20.12.2022.

D. Subject Countries

8. The country involved in the present investigation is China PR (hereinafter also referred to as subject country).

E. Period of Investigation (POI)

9. Since the petition is for limited purpose of clarification on the product scope, the Authority does not propose to evaluate either the quantum of dumping and injury, therefore stipulation of a POI is not required.

F. Submission of information

10. All communication should be sent to the Designated Authority via email at email addresses jd12-dgtr@gov.in and ad12-dgtr@gov.in with a copy to dir15-dgtr@gov.in and consultant-dgtr@nic.in. It must be ensured that the narrative part of the submission is in searchable PDF/MS-Word format and data files are in MS-Excel format.
11. The known producers/exporters in the subject country, the government of the subject country through its Embassy in India, and the importers and users in India who are known to be associated with the product under consideration are being informed separately to enable them to file all the relevant information within the time limits mentioned in this initiation notification. All such information must be filed in the form and manner as prescribed by this initiation notification, the Rules, and the applicable trade notices issued by the Authority.
12. Any other interested party may also make a submission relevant to the present investigation in the form and manner as prescribed by this initiation notification, the Rules, and the applicable trade notices issued by the Authority within the time limits mentioned in this initiation notification.
13. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other interested parties.
14. Interested parties are further directed to regularly visit the official website of the Directorate General of Trade Remedies (<https://www.dgtr.gov.in/>) to stay updated and apprised with the information as well as further processes related to the investigation.

G. Time limit

15. Any information relating to the present investigation should be sent to the Designated Authority via email at the following email addresses jd12-dgtr@gov.in and ad12-dgtr@gov.in with a copy to dir15-dgtr@gov.in and consultant-dgtr@nic.in within 30 days from the date on which the non-confidential version of the documents filed by the applicant would be circulated by the Designated Authority or transmitted to the appropriate diplomatic representative of the exporting country as per Rule 6(4) of the Rules. If no information is received within the stipulated time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings based on the facts available on record and in accordance with the Rules.
16. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses within the above time limit as stipulated in this notification.
17. Where an interested party seeks additional time for filing of submissions, it must demonstrate sufficient cause for such extension in terms of Rule 6(4) of the AD Rules, 1995 and such request must come within the time stipulated in this notification.

H. Submission of information on confidential basis

18. Where any party to the present investigation makes confidential submissions or provides information on a confidential basis before the Authority, such party is required to simultaneously submit a non-confidential version of such information in terms of Rule 7(2) of the Rules and in accordance with the relevant trade notices issued by the Authority in this regard.
19. Such submissions must be clearly marked as 'confidential' or 'non-confidential' at the top of each page. Any submission that has been made to the Authority without such markings shall be treated as 'non-confidential' information by the Authority, and the Authority shall be at liberty to allow other interested parties to inspect such submissions.
20. The confidential version shall contain all information which is, by nature, confidential, and/or other information, which the supplier of such information claims as confidential. For the information which is claimed to be confidential by nature, or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.
21. The non-confidential version of the information filed by the interested parties should be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (where indexation is not possible) and such information must be appropriately and adequately summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed.
22. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on a confidential basis. However, in exceptional circumstances, the party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons containing a sufficient and adequate explanation in terms of Rule 7 of the Rules, 1995, and appropriate trade notices issued by the Authority, as to why such summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.
23. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or a sufficient and adequate cause statement in terms of Rule 7 of the Rules, and appropriate trade notices issued by the Authority, on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
24. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
25. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

I. Inspection of public file

26. A list of registered interested parties will be uploaded on the DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties.

J. Non-cooperation

27. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period or within the time stipulated by the Authority in this initiation notification, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings based on the facts available and make such recommendations to the Central Government as it deems fit.

SIDDHARTH MAHAJAN, Designated Authority